आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 12.2.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- गुरु रविदास जयंती के अवसर पर उत्तराखंड सरकार ने आज राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया।
- देहरादून जिला प्रशासन ने आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाओं के शिक्षा व स्वावलंबन के लिए 'प्रोजेक्ट नंदा–सुनंदा' शुरू किया।
- उत्तराखंड में वनाग्नि नियंत्रण के लिए 13 फरवरी को राज्य के छह जिलों में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी।
- राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड 20 स्वर्ण, 30 रजत और 36 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिक में सातवें स्थान पर। 3

अवकाश घोषित

गुरु रविदास जयंती के अवसर पर उत्तराखंड सरकार ने राज्य में आज सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। सचिवालय और कोषागार को छोड़कर सभी सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान और संस्थान बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर आज राज्यभर में स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। मूर्तियों और पार्कों को सजाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास की शिक्षाएं समानता और एकता पर आधारित हैं, और समाज को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविदास जयंती की प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी।

प्रोजेक्ट नंदा–सुनंदा

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने आर्थिक रूप से कमजोर, अनाथ और असहाय बालिकाओं के शिक्षा व स्वावलंबन के लिए 'प्रोजेक्ट नंदा–सुनंदा' शुरू किया है। इस योजना के तहत अब तक 30 बालिकाओं का चयन किया गया है, जिनमें से 6 की औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। जल्द ही इन बालिकाओं को आर्थिक सहायता दी जाएगी।

इस परियोजना के तहत बालिकाओं को स्नातक स्तर तक शिक्षा और कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एक विशेष समिति गठित की गई है। बालिकाओं का चयन जनता दरबार, सरकारी कार्यालयों, बालिका गृहों और आंगनवाड़ी सर्वेक्षण के आधार पर किया जा रहा है। योजना के तहत शिक्षण शुल्क सीधे संस्थान के खाते में ट्रांसफर किया जाएगा, जबकि किताबों, ड्रेस और अन्य जरूरतों के लिए राशि सीधे लाभार्थियों को दी जाएगी। चयनित बालिकाओं को स्कूल में पुनः प्रवेश दिलाने की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्र की सुपरवाइजर को दी गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल इससे पहले नैनीताल में भी यह योजना सफलतापूर्वक चला चुके हैं, जहां 60 से अधिक बालिकाओं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाया गया। देहरादून में इस योजना की शुरुआत इसी सप्ताह शनिवार को एक बालिका को आर्थिक सहायता देने के साथ होगी।

आदर्श ग्राम

उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश के 13 जिलों में 13 आदर्श संस्कृत ग्राम घोषित किए हैं। इन गांवों में सभी कामकाज और सूचनाएं संस्कृत में होंगी। सरकार संस्कृत प्रशिक्षकों की नियुक्ति करेगी और गांवों में संस्कृत के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा दिया जाएगा। संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने कहा कि यह पहल नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने में मदद करेगी।

लाइसेंस रद्द

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने जनभावना को ध्यान में रखते हुए सुद्धोवाला में स्थित एक वाइन और बीयर शॉप का लाइसेंस रद्द कर दिया है। स्थानीय लोग, विशेषकर महिलाएं और बुजुर्ग, लंबे समय से दुकान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना था कि यह दुकान शिक्षण संस्थानों के पास स्थित थी, जिससे छात्रों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा था।

केंद्रीय बजट पर चर्चा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा है कि सरकार कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, निवेश और निर्यात को विकास इंजन बनाने के साथ–साथ गांवों में समृद्धि लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2025–26 में देश के 100 सबसे पिछड़े जिलों में कृषि उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया गया है। वित्त मंत्री ने आज लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा का उत्तर देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रभावी पूंजीगत व्यय चार दशमलव तीन प्रतिशत है और राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का चार दशमलव चार प्रतिशत है।

कार्यशाला

देहरादून में सूचना विभाग द्वारा 11 नए सूचना अधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। समापन सत्र में महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने कहा कि सूचना अधिकारियों की भूमिका सरकार और जनता के बीच समन्वय स्थापित करने में अहम होती है। उन्होंने अधिकारियों को मीडिया के साथ बेहतर संबंध बनाने, डिजिटल मीडिया से अपडेट रहने और सरकार की योजनाओं का प्रचार–प्रसार प्रभावी ढंग से करने के निर्देश दिए।

मॉक ड्रिल

उत्तराखंड में वनाग्नि नियंत्रण के लिए 13 फरवरी को राज्य के छह जिलों में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने बताया कि अल्मोड़ा, चम्पावत, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी और देहरादून जिले में वनाग्नि नियंत्रण के समुचित प्रबंध किए जाने के उद्देश्य मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। उन्होंने तकनीक के उपयोग और स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर जोर दिया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य कमियों की पहचान करना और आपदा के समय तैयारी को परखना है।

ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना

महत्वकांक्षी ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना में सामरिक दृष्टि से एक बड़ा बदलाव किया गया है। परियोजना का अब सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन कर्णप्रयाग होगा। यहां अब 22 ट्रैक के बजाय 26 रेलवे ट्रैक विकसित किए जाएंगे। इसके लिए रेलवे विकास निगम ने 611 करोड़ रुपये के टेंडर भी जारी कर दिए हैं। रेलवे विकास निगम के उप महाप्रबंधक ओपी मालगुड़ी ने बताया कि निगम ने यह फैसला कर्णप्रयाग की सामरिक महत्ता के चलते लिया है। उन्होंने बताया कि ये अतिरिक्त चारों ट्रैक दो सुरंगों के अंदर बनाए जाएंगे।

राष्ट्रीय खेल

38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रदेशके खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। उत्तराखंड इस समय 20 स्वर्ण, 30 रजत और 36 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिक में सातवें स्थान पर है। कल का दिन उत्तराखंड के लिये खास रहा, जब राज्य के खिलाड़ियों ने कयाकिंग में दो स्वर्ण और जूडों में एक स्वर्ण पदक हासिल किया। इस बीच, राष्ट्रीय खेलों के अगले संस्करण की घोषणा भी कर दी गई है। 39वें राष्ट्रीय खेल मणिपुर में आयोजित किये जांएगे।

चहल पहल

देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के आसपास के बाजारों में राष्ट्रीय खेलों की वजह से चहल–पहल बढ़ गई है। खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और स्टाफ की जरूरतों से स्थानीय दुकानों पर बिक्री बढ़ी है। व्यापारियों का कहना है कि अगर ऐसे आयोजन होते रहें, तो उनके व्यवसाय को काफी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उद्घाटन के दौरान कहा था कि खेल और अर्थव्यवस्था का गहरा संबंध है।

सड़क चौड़ीकरण

नैनीताल की जिलाधिकारी वंदना चौहान की पहल पर सरोवरनगरी नैनीताल के सात चौराहों के चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में तल्लीताल गांधी चौक, मल्लीताल पंत पार्क, मस्जिद तिराहा, फांसी गधेरा, मनु महारानी, चीना बाबा के साथ स्टेट बैंक चौराहों पर सड़कों के चौड़ीकरण की योजना है। स्टेट बैंक के पास नगर पालिका के पुराने घोड़ा स्टेंड की जगह बनाये गये पार्क को भी सड़क में मिलाने का कार्य शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता पीसी उप्रेती ने बताया कि योजना के तहत पार्क के एक हिस्से को सड़क में मिलाया जा रहा है, जबकि नगर पालिका के भवन और पार्क के बीच के स्थान को पाटकर पार्क को पीछे किया जा रहा है। इस तरह वहां पहले की तरह सैलानी विश्राम कर सकेंगे और पूर्व की तरह महिला समूहों को भी वह स्थान व्यवसायिक गतिविधियों के लिये उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही यहां पास में स्थित प्राथमिक विद्यालय भी पूर्व की जरह चलता रहेगा। वहीं, सड़क से पार्क के हिस्से के मिल जाने से वाहनों के लिये डायवर्जन उपलब्ध हो सकेगा और जाम की समस्या में कमी आएगी।